डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 134 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 26 फरवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

बढ़ने लगा दोपहर का तापमान

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अंचल के मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मंगलवार को जिले में अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ठंडी हवाएं चल रही थी। लेकिन, तापमान में तेजी महसूस की गई।

मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के कारण मौसम में ये बदलाव देखने को मिल रहा है। बुधवार से तापमान में बढोतरी शुरू होगी। इससे दिन और रात में हल्की गर्मी महसूस होगी। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया कि फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होते हैं। इस कारण तापमान में उतार-चढाव की स्थिति बनी रहेगी। फरवरी के आखिरी दिनों में फिर तापमान में गिरावट आ सकती है।

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

धूमधाम से मनाई जाएगी महाशिवरात्रि

जगह-जगह होंगे हवन, पूजन, अभिषेक, होगा प्रसाद वितरण

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जड़ से चैतन्य होने का पर्व महाशिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी अर्थात आज 26 फरवरी बुधवार को मनाया जाएगा। मान्यता है कि इस दिन भगवान भोलेनाथ का विवाह माता-पार्वती के साथ हुआ था। कुछ मान्यता यह भी है कि इस दिन शिव लिंग रूप में प्रकट हुए। सनातन धर्म में इस दिन शिव मंत्र जप, पूजन, हवन, अभिषेक का बड़ा महत्व है। ज्योतिर्विदों के अनुसार हिन्दू पंचाग के आधार पर इस बार महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी बुधवार को मनाया जा रहा है

महाशिवरात्रि पर्व को चार प्रहर में करने का विधान है। इसमें भी रात्रि के आठवें मुहूर्त का अधिक महत्व है। महाशिवरात्रि को रात्रि में पूजा करने का विधान है। रात्रि के 4 पहर में अगर पूजा की जाए तो भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। महाशिवरात्रि पर मंत्र और पाठ, शिव पुराण का पाठ और महामृत्युंजय मंत्र या शिव के पंचाक्षर मंत्र 'ऊं नम: शिवाय' का जाप करना चाहिए।

सभी शिवालयों में उमड़ेगा श्रृद्धा का सैलाब...

आज महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालयो में श्रृद्धा का सैलाब उमड़ेगा। शहर सहित अंचल के प्रमुख शिवालयो में प्रातः बेला से ही पूजन, अभिषेक, हवन, जप का दौर चलेगा। शहर के जागेश्वर महादेव, जलेश्वर महादेव, भूतेश्वर महादेव, मंशापूर्ण महादेव, नीलकंठ महादेव, हरिहर धाम लक्ष्मीनगर, धुंधलीपाल महादेव रेवास देवड़ा, धोरेश्वर महादेव खिलचीपुरा सहित सभी प्रमुख शिवालयो पर दिन भर भजन कीर्तन, पूजन, अभिषेक का दौर चलेगा।

29 घंटे खुला रहेगा पशुपतिनाथ महादेव मंदिर...

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री पशुपतिनाथ महादेव का मंदिर 29 घंटे लगातार खुला रहेगा। बुधवार अल सुबह 4 बजे मंदिर खुल जाएगा। जबकि, गुरुवार दोपहर 1 बजे भगवान का शयन होगा। प्रतिदिन दोपहर 1 से 2 बजे तक मंदिर गर्भगृह भक्तो के लिए बंद कर दिया जाता है। लेकिन, बुधवार को ऐसा नहीं किया जाएगा। पूरे 29 घंटे मंदिर भक्तो के लिए खुला रहेगा।

श्री हरिहर धाम में होंगे अनेक आयोजन...

शहर के अभिनंदन परिक्षेत्र के लक्ष्मीनगर वेदांत विहार में स्थित श्री हरिहर धाम में महाशिव रात्रि के अवसर पर विशेष आयोजन होंगे। सुबह से ही जलाभिषेक व अनुष्ठान शुरु होंगे। दिन भर भजन-कीर्तन का दौर चलेगा। दोपहर 02 बजे भगवान महादेव का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। शाम 07.30 बजे महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। शाम को आरती के पश्चात विशेष अभिषेक के साथ रात्रिकालीन भजन कीर्तन की शुरुआत होगी। आरती के बाद ठंडाई और प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

तीन सौ साल पुराना मंदसौर का भूतेश्वर महादेव मंदिर

शारीरिक व मानसीक व्याधियों के लिए विशेष अनुष्ठान

मंदसौर, 25 परवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के मध्य पुरानी सब्जी मंडी सम्राट मार्केट क्षेत्र में भूतेश्वर महादेव मंदिर आस्था का केंद्र है। मंदिर में वर्ष भर आयोजन होते है। मंदिर में भगवान श्री गणेशजी की प्राचीन प्रतिमा भी है। मंदिर का इतिहास करीब 300 साल पुराना है।

वर्तमान में मंदिर जहां है, वहां पर किसी समय खाल बहता था और आसपास जंगल था। उस समय टीलेनुमा पहाड़ी पर शिवलिंग था। ग्वालियर रियासत के समय यह क्षेत्र माधवगांव कहलाता था। भूतेश्वर महादेव मंदिर पर भूतेश्वर अन्नपूर्णा के नाम से अन्न क्षेत्र चलता था। मंदिर का निर्माण भी ग्वालियर स्टेट के समय हुआ था। उसके बाद में भी मंदिर का निर्माण चलता रहा। मंदिर के अंदर ग्वालियर रियासत का एक शिलालेख भी लगा है। मंदिर परिसर में भगवान श्री गणेशजी की प्राचीन प्रतिमा भी स्थापित है।

यह है मंदिर की विशेषता...

भूतेश्वर महादेव अपने भक्तों की सभी मनोकामना करते हैं। पुरानी सब्जी मंडी सम्राट मार्केट क्षेत्र में स्थित मंदिर पर मंदसौर जिले भर के साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों और राजस्थान से भी भक्त आते हैं। शारीरिक व मानसिक व्याधियों के हल के लिए विशेष अनुष्ठन होते हैं। मंदिर में सावन माह में प्रतिदिन अभिषेक, महाआरती और विशेष धार्मिक अनुष्ठा होते हैं। महाशिवरात्रि, शरद पूर्णिमा, अन्नकूट महोत्सव बडे धूमधाम से मनाए जाते हैं।

राजस्थान से भी दर्शन करने आते हैं भक्त...

मंदिर से जुड़े लोगों ने बताया कि भगवान श्री भूतेश्वर महादेव का मंदिर करीब 300 वर्ष पुराना है। ग्वालियर रियासत के समय परिसर में अन्न क्षेत्र चलता था। मंदिर में शिलालेख भी लगा हुआ है। भूतेश्वर महादेव सभी भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। मंदसौर जिले के साथ ही आसपास के जिलों और राजस्थान से भी भक्त यहां दर्शनार्थ आते हैं।

एमपी बोर्ड : हिन्दी के पेपर के साथ हुई परीक्षा की शुरुआत

11 हजार से अधिक छात्र शामिल; 10वीं की परीक्षा कल से

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एमपी बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई हैं। मंदसौर में कक्षा 12वीं का पहला पेपर हिन्दी का था। यह परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली। शिक्षा विभाग ने परीक्षाओं के लिए पहले ही सभी तैयारियां पूरी कर ली थी। जिले में 73 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

कक्षा 12वीं के लिए 11 हजार 711 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनकी परीक्षाएं 25 मार्च तक चलेंगी। कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 27 फरवरी से शुरू होंगी। इसमें 17 हजार 409 विद्यार्थी शामिल होंगे। दसवीं की परीक्षाएं 19 मार्च तक चलेंगी। सभी परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

दुपट्टे के फन्दे से लटका मिला युवक का शव

पिपलियामंडी, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव नेनोरा में बहिन के यहां रह रहे युवक का शव पेड़ पर दुपट्टे से बने फन्दे पर लटका मिला। स्वजनों ने पुलिस को बताया की उनका मानसिक संतुलन ठीक नही था। जानकारी के अनुसार देवडाखेडी, थाना नरवर जिला उज्जैन निवासी महेश (38) पिता कचरुलाल नायक का शव मंगलवार दोपहर गांव नेनोरा में खेल मैदान के पीछे पेड पर फन्दे से लटका मिला। मृतक के भानेज जितेन्द्र की सूचना पर पुलिस मौके पहुंची, शव को नीचे उतरवाकर पीएम के लिए भिजवाया। परिजनों के अनुसार युवक पिछले कुछ माह से बहिन के यहां नेनोरा में रह रहा था। उसका मानसिक संतुलन ठीक नही था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया।

मंदसौर के बाद नीमच में युवाओं ने लगाई लोट

सड़क निर्माण की मांग को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे युवक

नीमच, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर कलेक्टोरेट में जनसुनवाई के दौरान लौटन प्रदर्शन के कई मामले सामने आ चुके हैं। जिसमें सुनवाई नहीं होने पर कुछ इस तरह का मिनी प्रदर्शन किया गया। अब नीमच में भी युवाओ ने जनसुनवाई में लोट लगाते हुए पहुंचकर ध्यान आकर्षित कराया है।

जिले की जावद तहसील में सड़क निर्माण की मांग को लेकर युवाओं ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। दडोली ग्राम पंचायत के कान्याखेडा गांव के युवा मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे। युवाओं ने कलेक्टर कार्यालय के मुख्य दरवाजे से करीब 100 मीटर तक लोट लगाई। दडोली से अंबामाता मंदिर तक सड़क निर्माण का मामला पिछले दो साल से लंबित है। इस मार्ग पर अभी कच्ची सड़क है। इससे स्थानीय लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड रहा है। गर्मी में धूल उडने से राहगीरों को दिक्कत होती है। बारिश के मौसम में कीचड के कारण हादसे होते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गर्भवती महिलाओं और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भारी परेशानियो का सामना करना पडता है। बारिश के दौरान स्कूली बच्चों को नाले के कारण रास्ते में रुकना पडता है। इससे उनकी सुरक्षा को लेकर परिजन चिंतित रहते हैं।

भूमिपूजन हो चुका, लेकिन निर्माण नहीं...

यह सड़क अंबा, कान्याखेडा, हरिपुरा और लापिया गांवों को जोडती है। सड़क के डामरीकरण की स्वीकृति और भूमिपूजन हो चुका है। लेकिन, वन विभाग और लोक निर्माण विभाग अपनी-अपनी कमियों का हवाला देकर काम शुरू नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो साल से वे आवेदन दे रहे हैं। कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया है। लेकिन, कोई सुनवाई नहीं होने के कारण उन्हें इस तरह का विरोध प्रदर्शन करना पड़ा।

अब धरना देंगे ग्रामीण...

इस मार्ग पर क्षेत्र का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल अंबामाता मंदिर भी है। यहां नवरात्रि में मेला लगता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। कच्चे रास्ते के कारण भक्तों को भी परेशानी होती है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण शुरू कराने की मांग की है। चेतावनी दी है कि अगर जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो नीमच-सिंगोली मार्ग जाम कर धरना दिया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इनका कहना...

शिकायत लेकर आए सुनील नायक ने कहा, हम गांव कान्याखेड़ा से आए हैं। सड़क की समस्या से हमें काफी परेशानियो का सामना करना पड रहा है। बारिश के दौरान हालात ऐसे हो जाते हैं कि एंबुलेंस भी आ-जा नहीं पाती है। स्कूली बच्चों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पडता है। यहाँ हम लौट लगाते हुए आये है।

संबंधित अधिकारियो को दिए निर्देश...

सड़क निर्माण को लेकर कुछ युवा आए थे। मैंने उनका ज्ञापन लिया है। साथ ही जावद फॉरवर्ड किया है। ताकि संबंधित अधिकारी इस पर उचित कार्रवाई कर सके।

संजीव साहू, एसडीएम नीमच

सार्थक एप से उपस्थिति अनिवार्य

भोपाल, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरकारी कालेजों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों की सार्थक एप से उपस्थिति पिछले साल जुलाई से ही अनिवार्य की गई है। इसके बावजूद उपस्थिति आनलाइन दर्ज नहीं हो रही है। हालांकि, उच्च शिक्षा विभाग आनलाइन उपस्थिति के लिए लगातार कवायद कर रहा है।

बताया गया है कि अभी भी सिर्फ 60 फीसद उपस्थिति एप के माध्यम से लगाई जा रही है। इसे देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने फिर से सभी क्षेत्रीय संचालकों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि एक मार्च से सबकी उपस्थिति सार्थक एप से ही मान्य की जाएगी।

वेतन का भुगतान रोकेंगे...

इसमें गैरहाजिर होने पर वेतन का भुगतान रोक दिया जाएगा। साथ ही कार्रवाई भी की जाएगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि कालेजों के सभी अधिकारी/कर्मचारी/अतिथि विद्वान/आउटसोर्स एवं अन्य सभी की एक सूची बनाएं। सूची के अनुसार अधिकारी व कर्मचारी के लिए लागिन उनका ट्रेजरी एम्प्लाय कोड ही होना चाहिए। वहीं अतिथि विद्वानों के लिए लागिन आइडी उनका मोबाइल नंबर ही होना चाहिए। प्रदेश के सभी अतिरिक्त संचालकों को इस कार्य को पूर्ण करने के लिए 28 फरवरी तक का समय दिया गया है। एक मार्च से सभी की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से की जाएगी।

अतिक्रमण हटाया

मंगलवार को नगर पालिका और यातायात पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर गौल चौराहा क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। यहां अस्थाई अतिक्रमण चिन्हित कर हटाया गया।

विचार-मंथन

अमेरिका चला शांति की राह, रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द समाप्त होने के आसार

दोनों तरफ से सवा लाख से ऊपर सैनिक मारे जा चुके हैं। हजारों आम नागरिकों की जान जा चुकी है। लाखों नागरिक विस्थापन का दर्द झेल रहे हैं। इस युद्ध को रुकवाने के लिए कई तरह से कोशिशें की गईं। अब रूस-यूक्रेन संघर्ष रुक सके, इसके लिए कोशिशें तेज होती दिखने लगी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर उनके पद छोड़ने से शांति लौटती और यूक्रेन को नाटो की सदस्यता मिलती है, तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं। उनके इस बयान की असल वजह उन पर पड़ रहा अमेरिकी दबाव है। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने का एलान कर दिया था। फिर उनका झुकाव रूस की तरफ बढ़ता दिखा है। रूस के खिलाफ संघर्ष के लिए यूक्रेन को दी जाने वाली मदद भी उन्होंने रोकने की घोषणा कर दी। शांति बहाली के लिए पिछले हफ्ते सऊदी अरब की राजधानी रियाद में जो बैठक आयोजित की गई, उसमें यूक्रेन के किसी प्रतिनिधि को नहीं बुलाया गया, जबकि उसमें रूस और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अब अमेरिकी प्रतिनिधि का दावा है कि इसी हफ्ते दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष समाप्त हो सकता है। कुछ दिनों पहले ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अब यूक्रेन में चुनाव कराए जाने चाहिए। जाहिर है, जेलेंस्की अलग-थलग पड़ चुके हैं और अब उनके सामने हथियार डालने के अलावा कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा।

अमेरिका की मदद से यूक्रेन कर रहा था युद्ध : अभी तक यूक्रेन इसीलिए रूस का मुकाबला कर पा रहा था कि उसे अमेरिका से मदद मिल रही थी। अब ट्रंप ने वह मदद देने से इनकार कर दिया है। इसे लेकर जेलेंस्की की प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। हालांकि रूस की तरफ अमेरिकी झुकाव के अपने समीकरण हैं, पर इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि रूस-यूक्रेन संघर्ष का पूरी दुनिया पर असर पड़ रहा है और जैसे भी हो, सब यही चाहते हैं कि वहां शांति बहाली होनी चाहिए। इस युद्ध को चलते तीन वर्ष हो गए। करीब ढाई लाख भवन ध्वस्त हो चुके हैं।

भारत-चीन के रिश्ते में जमी बर्फ पिघलने की कवायद तेज, सौहार्द के साथ शुरू होगी मानसरोवर यात्रा : दोनों तरफ से सवा लाख से ऊपर सैनिक मारे जा चुके हैं। हजारों आम नागरिकों की जान जा चुकी है। लाखों नागरिक विस्थापन का दर्द झेल रहे हैं। इस युद्ध को रुकवाने के लिए कई तरह से कोशिशें की गईं। भारत ने भी बार-बार कहा कि युद्ध किसी मसले का हल नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से कई बार फोन पर बात की और युद्ध रोकने की अपील की। मगर दोनों देश अपनी-अपनी जिद पर अड़े रहे।

यूक्रेन को उठाना पड़ेगा नुकसान: अच्छी बात है कि इस युद्ध के रुकने की संभावना नजर आने लगी है। हालांकि जेलेंस्की अब भी यूक्रेन की नाटो सदस्यता का मुद्दा उठा रहे हैं, जो मुश्किल लगता है। दरअसल, युद्ध की शुरूआत ही इसी से हुई थी कि यूक्रेन ने नाटो का सदस्य बनने का फैसला किया था और रूस ने उसे इस फैसले से कदम वापस लेने की चेतावनी दी थी। जेलेंस्की इस बात से भी डरे हुए हैं कि शांति बहाली को लेकर जिस तरह रियाद में बैठकें हो रही हैं, उसमें रूस का ही पक्ष अधिक मजबूत रहेगा और उसी की शर्तें लागू होंगी। जाहिर है, इससे यूक्रेन को नुकसान उठाना पड़ेगा। यूक्रेन में खनिजों आदि को लेकर अमेरिका के अपने स्वार्थ हैं और यह देखने की बात होगी कि युद्ध समाप्ति के बाद वह वहां किस तरह रणनीति बनाता है। पर फिलहाल युद्ध रुकना ज्यादा जरूरी है, ताकि वहां के लोगों का जीवन फिर से पटरी पर लौट सके और बेवजह जा रही जानें बचाई जा सकें।

जिला कांग्रेस के नेतृत्व में पूर्व सांसद नटराजन का सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय पर ज़िले भर से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज तेलंगाना राज्य की प्रभारी बनाए जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में गांधीवादी नेता पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन का स्वागत, सम्मान समारोह जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर किया गया । जिले भर से आए कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग जगह मंच लगाकर सुश्री नटराजन का स्वागत सत्कार किया । इस स्वागत सम्मान कार्यक्रम में पूरे संसदीय क्षेत्र मंदसोर नीमच जिले के कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल हुए।

इस अवसर पर गांधीवादी नेता पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी के मार्ग पर चलने वाला व उनके विचारों को अंगीकार करने वाला ही गांधीवादी कहलाता है। वर्तमान समय में देश में एक चुनौती बनकर उभरी है वह चंद पूंजी पति घरानो की राजनीति में दखलअंदाजी का होना ,जो देश के लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा है। यह पूंजीपति वर्ग अपने फायदे के लिए लोकतंत्र को मजबूत करने वाली शक्तियों को कमजोर कर रहा है । हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा। यह समस्या आज पूरे विश्व फैल चुकी है, पूरे विश्व में किस देश में कौन सी सरकार आएगी इसको पूंजीपति अभी वर्तमान में तय कर रहे हैं। अगली सदी कौन सी होगी वह हिंद स्वराज की होगी। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सुश्री नटराजन ने कहां की देश में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए इस सरकार को कोई परवाह नहीं पूरे देश में कॉर्पोरेट हावी है। वर्तमान परिस्थितियों से लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार रहना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी कार्यकर्ता पार्टी के साथ खड़ा है वही असली कांग्रेस कार्यकर्ता है,मैं भी एक कार्यकर्ता हूं । सुश्री नटराजन ने कार्यकर्ताओं के स्वागत सम्मान के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि मैं आपके स्वागत,सम्मान से अभीभूत हूं आपके मान सम्मान को कभी कम होने नहीं दूंगी।

पसली में आया फेक्चर, 4 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शादी में डांस करने पर एक माह पूर्व हुई मारपीट में फेक्चर आने पर पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 29 जनवरी 2025 को गांव डूंगलावदा निवासी भगवालाल पिता धन्नालाल भील के साथ गांव के दीपक भील, ईश्वर भील, रमेश भील, मनोहर भील ने यह कहकर लकडी से पीटा था कि तू शादी में ज्यादा डांस कर रहा था। मारपीट से हाथ पैर में गंभीर चोंटे आने पर भगवालाल को मंदसौर भर्ती कराया था। एक्सरे में पसली में फेक्चर आने पर पिपलियामंडी पुलिस ने सोमवार को चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

कलेक्टर ने पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन के बच्चों से मुलाकात की

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन के बच्चों से मुलाकात की। बच्चों से उनके स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पारिवारिक वातावरण के संबंध में जानकारी ली गई एवं उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढाने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस दौरान सभी बाल हितग्राहियों को शासन से मिलने वाली स्कॉलरशिप एवं स्पॉन्सरशिप योजना अंतर्गत प्राप्त होने वाली राशि के सदुपयोग हेतु चर्चा की गई। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री पी सी चौहान उपस्थित थे।

जहां शिव ने दिए थे पांडवों को दर्शन

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गुजरात के भावनगर में कोलियक तट के तकरीबन 3 किलोमीटर अंदर अरब सागर में निष्कलंक महादेव स्थित है।इस जगह अरब सागर की लहरें रोज शिवलिंग का अभिषेक करती हैं। लोग पानी में

चलकर ही इस मंदिर दर्शन करने पहुंचते हैं। दर्शनार्थियों को इसके लिए ज्वार उतरने का इंतजार भी करना पडता है। जब ज्वार आता है तो उसे वक्त मंदिर के केवल पताका और खंभा ही नजर आता है। तब कोई भी यह अंदाजा नहीं लगा पता कि समुद्र के भीतर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित होगा।

इस मंदिर में शिव जी के पांच स्वयंभू शिवलिंग स्थापित हैं। मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ता है। जब महाभारत युद्ध के बाद पांडव इस बात से दुखी हुए कि उनके हाथों अपने ही सगे संबंधियों की हत्या हो गई है तो इस पाप से छुटकारे के लिए वे श्री कृष्ण से मिले। कृष्ण ने उन्हें एक काला ध्वज और एक काली गाय दी और पांडवों को गाय का अनुसरण करने को कहा। कृष्ण ने कहा कि जब गाय और ध्वजा दोनों सफेद हो जाएं तो समझ लेना की तुम्हें पापों से मुक्ति मिल गई। जिस जगह ऐसा हो वहीं ठहर कर शिव की तपस्या करना। पांचों भाई चलते हुए गुजरात में कोलियाक तट पार पहुंचे तो गाय व ध्वजा का रंग सफेद हो गया था। यहीं पांडवों की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने पांचो भाइयों को लिंग रूप में अलग-अलग दर्शन दिए थे। भगवान शिव के वैसे ही पांच स्वरूप यहां स्थित हैं। पांचों शिवलिंग के सामने नंदी प्रतिमाएं भी हैं। पांचों शिवलिंग एक वर्गाकार चबूतरे पर बने हैं। इस चबूतरे पर एक छोटा सा पानी का तालाब भी है जिसे पांडव तालाब कहते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन से श्रद्धालु मालामाल हो जाते हैं। पूरे वर्ष भर ही यहां बडी संख्या में दर्शनार्थी और श्रद्धालुओं का आना लगा रहता है।

भगवतीप्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

नपाध्यक्ष ने सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने न.पा. स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला मकवाना, लोक निर्माण समिति सभापति समिति निर्मला चंदवानी, पार्षद श्रीमती प्रमिला संजय गोयल, नगर पालिका उपयंत्री श्रीमति विधुरानी कौरव के साथ मंदसौर नगर के चार सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के पास सुलभ शौचालय, शिवना नदी किनारे स्थित भोईवाडा के सार्वजनिक शौचालय, महाराणा प्रताप बस स्टैंड स्थित सुलभ काम्पयलेक्सव , पंडित नेहरू बस स्टैंड स्थित सुलभ काम्पजलेक्सध का निरीक्षण किया और यहां मौके पर उपस्थित व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए श्रीमती गुर्जर ने शौचालय में रखे गमलो में पौधे लगाने सार्वजनिक शौचालय की सफाई करवाने तथा उन्हें सुव्यवस्थित मेंटेन करने के निर्देश दिए श्रीमति गुर्जर ने सुलभ कांप्लेक्स में रेट लिस्ट लगाने के भी निर्देश दिए नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निरीक्षण के मौके पर कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी में नगर पालिका के कर्मचारीगण कोई भी कसर नहीं रखे सार्वजनिक शौचालय में स्वच्छता रहे यह सुनिश्चित करें ताकि गंदगी के कारण आम जनों को परेशान नहीं होना पडे।

जिला पंचायत सीईओ एवं एडीएम ने की जनसुनवाई

नीमच, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सी.ई.ओ.श्री अमन वैष्णव एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसनुवाई करते हुए 80 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस मौके पर एसडीएम श्री संजीव साहू, संयुक्त कलेक्ट र डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे, श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, श्रीमती किरण आंजना व जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में सरदार मोहल्ला नीमच सिटी के मनोहर सिह बैस, झांतला के माधुलाल, बासनिया के बाबुलाल, हरनावदा के मिड्डुलाल, बतीसडा के मोहनसिह, चेनपुरा के गटुसिह, खोर के कन्हैयालाल, जावद की कलाबाई, खेवली देवली के गणपतलाल, झालरी के सुरेश गुर्जर, नयागांव के हीरानाथ, शांतिबाई, अठाना की कमलाबाई, अरनिया कुमार की पुष्पा बाई, वैभव नगर नीमच के दिलीप जोशी, जीरन के जयप्रकाश, घसुण्डी बामनी के कैलाशचंद्र, कंजार्ड के मनोज राठौर साकरियाखेडी के बंशीलाल, डीकेन के जगदीश प्रजापत, सुरजना के रामसुख पाटीदार आदि ने अपनी समस्या ओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, समस्याएं सुनाई।

आध्यात्मिक उत्कर्ष का पर्व- शिवरात्रि...

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हर चन्द्र माह के चौदहवें दिन या अमावस्या से एक दिन पहले शिवरात्रि होती है, एक कैलेण्डर वर्ष में आने वाली बारह शिवरात्रियों में से फरवरी मार्च में आने वाली शिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है।

इस रात पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध की स्थिति के फलस्वरूप मनुष्य के शरीर में ऊर्जा, प्राकृतिक एवं स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर विकसित होती है। इस दिन प्रकृति स्वयं मनुष्य को आध्यात्मिक उत्कर्ष की ओर पहुंचने के लिये न केवल प्रेरित करती है, अपितु सहायता भी करती है। इस कारण आध्यात्मिक मार्ग पर चलने वाले मनुष्य मात्र के लिये यह पर्व अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह पर्व गृहस्थ जीवन व्यतीत करने वालों के लिये शिव-पार्वती के विवाह की वर्षगांठ का दिन हैं सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले व्यक्तियों के लिये शिवरात्रि का पर्व शिव द्वारा शत्रुओं के विरूद्ध विजय और उनके संहार का दिन है। साधु संतों, सन्यासियों, योगियों के लिये शिवरात्रि का दिन वह दिन है, जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। शिव का अर्थ है आपका सबसे शुद्धतम, अन्तरतम सत शिव का एक अर्थ श्रेष्ठया उदार होता है तथा रात्रि का अर्थ वह है जो आपको गोद में बैठाकर सुख और विश्राम प्रदान करें। इस प्रकार शिवरात्रि का अक्षरश: अर्थ यह हुआ कि- वह रात्रि जो तीनों गुणों में शिव तत्व अथवा दूसरे शब्दों में अन्तर्ज्ञान को प्रज्ञवलित कर सके। मन, बुद्धि, चित्त (स्मृति) की भाँति शिव तत्व भी तत्व के रूप में हमारे भीतर होता है। जीवन के तीन मूल आयाम है, जिन्हें कई रूपों में दर्शाया गया है। इन्हें इडा, पिंगला और सुषुम्ना भी कहा जा सकता है। ये तीनों प्राणमय कोष मानव तंत्र के ऊर्जा शरीर में मौजूद तीन मूलभूत नाडियां है- बाई, दाहिनी और मध्य। इन नाडियों से ही मनुष्य में प्राण का संचार होता है। तीन मूलभूत नाडियों से 72 हजार नाडियां निकलती है। प्राण अथवा ऊर्जा इन्हीं 72 हजार रास्तों से गुजरती है। इसमें इडा और पिंगला जीवन के बुनियादी द्वैत का प्रतीक है, इस द्वैत को हम सनातनी परम्परागत रूप से शिव और शक्ति का नाम देते है।

योगिक विज्ञान में भगवान शिव को रूद्र कहा जाता है। रूद्र का अर्थ है वह जो रौद्र या भयंकर रूप में हो इसीलिये शिव को संहारक कहा जाता है, वहीं शिव को दूसरी और सृष्किर्ता भी कहा जाता है क्योंकि नया सृजन तभी संभव है, जब पुराने का संहार हो। विशेषकर विगत् ढाई दशकों से कई पाश्चात्य वैज्ञानिकों ने डार्क मैटर और डार्क एनर्जी के विषय में शोध और बात करना आरंभ किया है। हमारे यहाँ योग विज्ञान में दोनों मौजूद है। डार्क मैटर भी और डार्क एनर्जी भी। यहां शिव को काला माना गया है अर्थात डार्क मैटर और शक्ति को डार्क एनर्जी या काली कहा जाता है। विगत् छह वर्षों से स्कॉटिश युनिवर्सिटी के कई वैज्ञानिक डार्क मैटर और डार्क एनर्जी पर शोध कर इस निर्णय पर पहुँचे है कि दोनों में कोई लिंक अवश्य है और दोनों एक दूसरे से जुडी हुई है। महाशिवरात्रि उन बहुत थोडे हिन्दू त्यौहारों में हैं जो कृष्ण पक्ष में आते हैं। कृष्ण पक्ष को बहुत पवित्र नहीं माना जाता है, किन्तु शिवरात्रि की रात्रि वह रात्रि है जिस दिन शिव करोड़ों-करोड वर्ष की ध्यान तपस्या से स्थिरता को प्राप्त होकर अस्तित्व की एकात्मकता में स्थापित हो गए। कुछ लोग शिवरात्रि से जुडी एक चोर की कहानी सुनाते हैं जिसमें चोर गलती से रातभर बिल्व पत्र के वृक्ष के नीचे अवस्थित शिवलिंग पर बिल्व पत्र डालता रहता है और अपने समस्त पापकर्मों से मुक्त हो जाता है। दक्षिण भारत में प्रचलित कथा यह है कि उस रात्रि को शिव ने सृष्टि के कल्याण के लिये विषपान किया था। माँ पार्वती नहीं चाहती थी कि गरल शिव के गले के नीचे उतरे तो उन्होंने शिव का कंठ पकड लिया था। देवता नहीं चाहते थे कि शिव गरल को बाहर निकाले तो उन सभी ने शिव की स्तुति प्रारंभ की। पूरी रात शिव की स्तुति करते रहे और शिव ने इस गरल को कंठ में ही धारण कर लिया तथा सृष्टिकी रक्षा की। इस कारण भी इस रात्रि को जागकर शिव की कृपा पाने की कामना की जाती है। निन्यानवें प्रतिशत सनातनी गृहस्थों की मान्यता है कि माँ पार्वती ने कठिन तपस्या कर भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न किया और शिवरात्रि के दिन ही माँ पार्वती और शिवजी का विवाह हुआ था। शिव सुन्दर है, शिव सत्य सनातन है, शिव कल्याणकारी हैं, शिव शुभकारी है, शिव अविनाशी हैं, शिव अनन्त है, शिव अगोचर है, शिव अजन्मे हैं, इसीलिए सभी देव, दानव, मानव, जीव-जन्तु, पशु-पक्षी, चर-अचर, आकाश-पाताल और सप्तपुरियों में महादेव का आत्मचिंतन कर हम सभी धन्यता को प्राप्त होते हैं। इस अखिल ब्रह्माण्ड के प्रथम पंचाक्षरी मंत्र ऊँनम: शिवाय से शिव की कृपा इस सृष्टिपर बनी रहे इस मंगल कामना के साथ, शिवरात्रि की अनन्त शुभकामनाएँ।

डॉ. रवीन्द्र कुमार सोहोनी, मंदसौर

देवों के देव महादेव का विचित्र महोत्सव है महाशिवरात्रि

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शादी-विवाह का प्रमुख आकर्षण होता है दूल्हा-दूल्हन। जब किसी दूल्हा की शादी होती है तो वह किस प्रकार

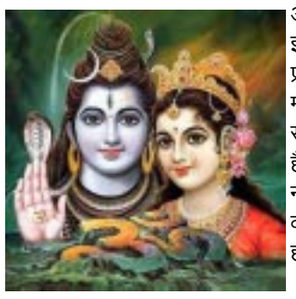

अधिक से अधिक सुन्दर आकर्षक दिखे इसके लिये परिवार वाले तो उसके समस्त प्रबंध करते ही है-विशेषकर परिवार में मातृशक्ति में जो भी उपलब्ध हो दूल्हे के सजाने-संवारने-श्रृंगार करने में जुट जाती है परन्तु स्वयं दूल्हे राजा कोई कमी कसर नहीं रहने देते और इसके लिये चौथे युग कलियुग के वर्तमान में ब्यूटी पार्लर प्रमुख हो गये है।

आज हम बात कर रहे है देवों में प्रमुख देव महादेव भगवान भोले शंकर के विवाह की। हिन्दू सनातन धर्म में प्रथम देव है, सृष्टिरचयिता ब्रह्मा, दूसरे पालनकर्ता विष्णु और तीसरे संहारकर्ता शंकर। इन तीनों देवों में केवल भगवान विष्णु के द्वारा धरती पर विभिन्न 24 अवतारों के रूप में अवतीर्ण होने कही कथाएं हिन्दू ग्रंथों में वर्णित है। ब्रह्मा का कहीं मनुष्य रूप में अथवा अन्य रूपों में अवतार हुआ हो कहीं उल्लेख नहीं है इसी प्रकार भगवान शंकर ने कहीं अवतार लिया हो उल्लेख नहीं है। वैसे हनुमानजी को शंकर का स्वरूप माना गया है। भगवान विष्णु का सतयुग में वराह, हंस, मीन(मछली) और नृसिंह आदि पशु-पक्षियों के रूप में धरती पर प्रकट होने के प्रसंग है परन्तु जहां तक मानव रूप में विवाह का प्रसंग है वह त्रेता युग में राम और द्वापर युग में कृष्ण का विवाह रचने का प्रसंग है। भगवान राम ने केवल जनक राजा की बेटी सीता से विवाह किया परन्तु कृष्ण की एक नहीं सौलह हजार एक सौ आठ पत्नीयां थी जिनमें सौलह हजार एक सौ भोमासुर की कैद से छुडाई गई कन्यायें थी जिनको भोमासुर की कैद में रहने से समाज द्वारा स्वीकार नहीं करने के भय से बचाने के लिये कृष्ण ने अपनाया था। रूकमणी-सत्यभामा आदि 8 पटरानियों का विधिवत शादी करके ग्रहण किया था।

भगवान राम और कृष्ण के विवाह बडी धूमधाम से हुए उन्हें खूब अच्छी तरह सजाया-संवारा गया परन्तु भगवान शंकर को दूल्हे के रूप में जिस प्रकार श्रृंगारित किया उस समय ब्यूटी पार्लर तो था नहीं सुगंधित द्रव्यों पर नजर डाले तो चोवा-चन्दर-अरगजा और हल्दी उबटन के स्थान पर अपने संगी साथी भूत प्रेतों से मरे मुरदे के जलाने पर शमशान की भभूत (राख) का उबटन लगा लिया। मस्तक पर सुन्दर मुकुट के स्थान पर चन्द्रमा वह भी पूर्णिमा का चांदनी बिखेरता पूरा क्या आधा भी नहीं-पाव चौथाई द्वितीया का टेढा-चन्द्रमा, गले में सुन्दर, सुगन्धित फूलो के हार के स्थान पर फूंफकार मारता जहरीला सांप को हार बना लिया। बर्फीले कैलाश पर्वत पर किसी बडे फेमस (प्रसिद्ध) वस्त्राभूषण का मेगा स्टोर अथवा किराये से मिलने वाले वस्त्राभूषण-अलंकार-श्रृंगार जो नहीं थे, रूद्राक्ष की कमी तो हिमालय में है नहीं खूब रूद्राक्ष की मालाओं का जटाजूट, सुन्दर फेन्सी ड्रेस की जगह मृगछालाकमर पर लपेट ली। दूल्हे के हाथ में कटार होनी चाहिए यहां छोटी सी कटार/तलवार का क्या काम भारी भरकम त्रिशूल जो था। वहां दूल्हें के लिये सुंदर अश्व कहां से लाते अपने नन्दी (वृषभ-बैल) की पीठ पर चढ गये। अब पीठ पर क्या पकड के बैठे झट से नन्दी के मुख की तरफ से पीठ घूमाई और नन्दी की पूंछ पकड कर बैठे गये। रंग रंगीले सुंदर पोशाक सजे सजाये बराती कहां से लाये। भूत प्रेतों को आमंत्रण भेज दिया। निमंत्रण भी केवल भारत के भूतों को नहीं, अमेरिका, इंग्लैंड, रूस, जापान आदि सम्पूर्ण संसार के भूत-प्रेत आ गये। किसी के धड है तो सिर नहीं, सिर है तो हाथ पैरों का ठिकाना नहीं, कहीं हाथी की तरह बेडोल तो कहीं बिना चमडी के एक-एक अस्थि गिन लो, ऐसे विचित्र दूल्हेराजा, विचित्र बारात के साथ होके नन्दी पर सवार-शिवजी चले ब्याहने अपने देश की भाषा में नाचते-गाते कूदते-फांदते बारातियों के साथ शिवजी जब हिमालय पुत्री पार्वती को ब्याहने हिमालय के दरवाजे पर तोरण मारने पहुंचे उसके पहले देवता जो आदिदेव महादेव की बारात में पृथक से खूब बन ठन कर आये थे शिवजी से पहले पहुंच गये। खूब अच्छी प्रकार उनका सम्मान हुआ। सुंदर देवताओं को देखकर सब बहुत ही प्रसन्न हुए कि बाराती जब इतने सुंदर है तो दूल्हा कितना सुंदर होगा। पार्वती की माता मैना बहुत ही सुंदर आरती का थाल सजाकर दरवाजे पर खडी थी परन्तु जैसे ही दूल्हे को देखा पूजा का थाल हाथ से गिर गया-मूर्छीत होकर माता नीचे गिर पडती इसके पहले साथ ही कुछ साहसी सखियों ने सम्हाल कर अन्दर भवन में ले गई और कहा ऐसे अवधूत के साथ अपनी पुत्री का ब्याह नहीं करूंगी। आज की दूल्हन होती तो मॉ को मौका ही नहीं मिलता स्वयं दूल्हन दूल्हे राजा को उल्टे मुंह जिधर से आया था बेरंग लौटा देती परन्तु उसी समय देवर्षि नारद जी ने आकर बात सम्हाली कि पार्वती पूर्व जन्म में सती थी और रावण द्वारा सीता हरण होने पर सीता के विरह में राम को बिलखते देखकर शिवजी के कहने पर भी सति को राम का अवतार होना विश्वास नहीं कि परीक्षा लेने चली गई गई तब अपने इष्ट भगवान पर संदेह करने से शिवजी ने सती का त्यागकर समाधी में चले गये परन्तु ताडकासुर दैत्य का विनाश केवल शिव पुत्र के हाथों मरण होना पूर्व से तय होने से देवताओं ने कामदेव से शिवजी की समाधी तुडवाकर दूसरे जन्म में हिमालय की पुत्री के रूप में जन्मी पार्वती से शुभ विवाह कराया जिसे आज हम केवल साधारण शिवरात्रि के रूप में नहीं बल्कि समस्त रात्रियों में महाशिवरात्रि के रूप में मनाते आ रहे है। हर-हर महादेव।

बंशीलाल टांक, मंदसौर

श्री चिंताहरण महादेव मंदिर पर आज विशेष अभिषेक एवं महाआरती का आयोजन

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय जनकुपुरा से मदारपुरा जाने वाले मार्ग पर श्री दिन अनाथ अन्नक्षेत्र न्यास समिति भोजन शाला के सामने स्थित

अति प्राचीन श्री चिंताहरण महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व 26 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सुसज्जित किया गया । महाशिवरात्रि पर्व पर प्रात: से ही भक्तों द्वारा पूजा अर्चना आरंभ हो जाएगी। दोपहर 1:00 बजे भगवान भोलेनाथ का विशेष महा अभिषेक का कार्यक्रम रखा गया है। महाभिषेक के पश्चात दोपहर 3:00 बजे आरती होगी तथा रात्रि 8:00 बजे महा आरती का भव्य आयोजन रखा गया है।

इस आशय की जानकारी देते हुए श्री चिंताहरण महादेव मंदिर समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल सचिव नितिन शिंदे ने बताया कि अति प्राचीन श्री चिंताहरण महादेव मंदिर पर वर्ष भर में सभी धार्मिक त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं भगवान भोलेनाथ का विशेष दिन महाशिवरात्रि का पर्व परंपरागत रूप से धूमधाम से मनाया जाएगा । महाशिवरात्रि पर्व पर प्रात: से ही मंदिर परिसर में भक्तों का पूजा अर्चना हेतु क्रम आरंभ हो जाएगा जो की देर रात तक चलेगा दोपहर 1:00 बजे विद्वान आचार्य पंडित सत्यनारायण जोशी के नेतृत्व में भगवान भोलेनाथ का विशेष महा अभिषेक किया जाएगा । तत्पश्चात आरती होगी तथा रात्रि 8:00 बजे विशेष महा आरती का भव्य आयोजन रखा गया है। महा आरती से पूर्व भांग एवं फूलों से भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रंगार किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल एवं सचिव नितिन शिंदे ने समस्त भक्तों से महाशिवरात्रि पर्व पर श्री चिंताहरण महादेव मंदिर पर पूजा अर्चना एवं दर्शन करने का अनुरोध किया।

छह दिवसीय सोमयज्ञ का आयोजन कालाखेत प्रांगण में होगा, तैयारियां प्रारम्भ

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आशुतोष भगवान श्री पशुपति नाथ की पावन पवित्र नगरी मंदसौर में श्री विराट वाजपेय वृहस्पति महा सोमयज्ञ का भव्य आयोजन आगामी 13 अप्रैल रविवार से 18 अप्रैल शुक्रवार 2025 में श्री वल्लभाचार्य नगर कालाखेत स्कूल मैदान में संपन्न होने जा रहा है। जिसके सर्वाध्यक्ष पद्मभूषण जगद्गुरु पूज्यपाद डॉ. आचार्य गोस्वामी श्री गोकुलोत्सव जी महाराज और यज्ञाचार्य सोम यज्ञ सम्राट पूज्यपाद डॉ. आचार्य गोस्वामी व्रजोत्सव जी महोदय होंगे।

आयोजन समिति द्वारा जारी वक्तव्य में बताया गया है कि इस विराट आयोजन की तैयारी आयोजन समिति द्वारा आरंभ कर दी गई है। इस हेतु विभिन्न समितियां का गठन कर दायित्व सौंप गए हैं और संपूर्ण आयोजन के सुसंचालन के लिए आयोजन समिति की कार्यकारिणी भी अतिशीघ्र घोषित की जाएगी। इस व्रत आयोजन की तैयारी को लेकर बैठकों का दौर भी लगातार चल रहा है। कालाखेत स्कूल मैदान में भव्य यज्ञ स्थल का निर्माण किया जाएगा। पुष्टिमार्गीय पद्धति के अनुरूप संपूर्ण तैयारी की जा रही है। सोम यज्ञ की पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

❊क्या है सोमयज्ञ– सोम यज्ञ शुद्ध वैदिक विष्णु यज्ञ है। हमारी प्राचीन सभ्यता का सर्वोच्च यज्ञ सोम यज्ञ ही है। जिसकी महिमा एवं सर्वांगीण महत्ता की तुलना अन्य किसी भी यज्ञ से नहीं की जा सकती है। सोम विष्णु ,चंद्रमा का नाम है सोम जीवन शक्ति है जिसे जीवन के हर मोड पर सागर की तरह प्रवाहित होते देखा जा सकता है और इसका सूत्र वैदिक सिद्धांत से लिया गया है सोम संगठन, सभ्यता, सफलता ,समृद्धि, सद्भाव ,और सामाजिकता का प्रतीक है अर्थात सोम सत्यम शिवम सुंदरम है सोमयज्ञ में वेदों की संपूर्ण विधि व्यवस्था यज्ञ दर्शन और वेदों की ऋचाओं के श्रवण का अत्यंत महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि सोम यज्ञ के दर्शन एवं यज्ञ करने वाला मनुष्य इतना भाग्यशाली होता है कि उसे आशीर्वाद का अक्षय फल प्राप्त होता है यह एक अहिंसक सात्विक यज्ञ है। सोम यज्ञ विश्व कल्याण पर्यावरण शुद्धि शक्ति सूत्र से जुड़ने और वैदिक संस्कृति रक्षा के लिए किया जाता है। इसके वैज्ञानिक परीक्षण से पता चला है कि यज्ञ का प्रभाव शुद्ध और सात्विक है यह मानव समाज के हित हेतु स्वास्थ्य, बल आत्म तेज शक्ति दीर्घायु और समृद्धि के माध्यम से विकास करने वाला यज्ञ है।

❊आज महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान श्री पशुपति नाथ को दिया जाएगा प्रथम निमंत्रण– महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर में प्रात: 10 बजे श्री सोमयज्ञ आयोजन समिति से जुड़े महानुभाव और नगर के गणमान्य जन भगवान श्री पशुपतिनाथ को सोम यज्ञ में पधारने का अनुरोध करने ओर प्रथम निमंत्रण देने सांसद श्री सुधीर गुप्ता के साथ मन्दिर पहुंचेंगे ओर इस विराट आयोजन की सफलता और सार्थकता के लिए प्रार्थना भी करेंगे। नगर के श्रद्धालुओं से भी अनुरोध किया गया है कि इस पुनीत प्रसंग पर उपस्थित होवें। यह जानकारी श्री जितेंद्र पारिख ने दी है।

शिव पार्वती विवाह के उपलक्ष्य में द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर पर निभाई मेहंदी की रस्म

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर पर माता पार्वती व भगवान शिव के विवाह की रस्में धूमधाम से मनाई जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को मेंहदी की रस्म अदा की गई। सभी उपस्थित महिलाओं ने भगवान व माता को मेहंदी लगाई तथा भक्ति गीतों पर नृत्य किया। मंदिर पर आज 26 फरवरी को शाम 7.30 बजे महाआरती होगी तत्पश्चात् 251 लीटर ठंडाई और 151 किलो साबूदाने की खिचडी का प्रसाद का भोग लगाकर वितरण किया जाएगा। अधिक से अधिक संख्या में भक्त पधारकर इस मंदिर पर महिला भक्त मित्र मंडल के द्वारा यह उत्सव मनाया जाएगा। पूरे मंदसौर में यह पहला स्थान होगा जहां महिला भक्त मित्र मंडल संपूर्ण उत्सव मनाकर अपने हाथों से महाप्रसादी प्रदान करेगी। मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं सलाहकार संयोजक अरुणा मिश्रा, अध्यक्ष नीलम शर्मा, उपाध्यक्ष लता लोहार, ज्योति भीरमा, कोषाध्यक्ष भावना शर्मा, सचिव राखी त्रिवेदी, सहसचिव उषा शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य गिरजा पाटीदार, रेखा सोनी, ज्योति भाटी, गायत्री माहेश्वरी, रानी शर्मा, अनुसीया टेलर, वरिष्ठ सदस्य पुष्पा शर्मा, दुर्गा सिसोदिया, अलका शर्मा, कृष्णा व्यास ने सभी भक्तों से निवेदन किया कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर महाप्रसादी का आनंद लेवे और इस मंदिर में विराजित चमत्कारी महादेव के दर्शन लाभ लेवे। यह जानकारी मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी श्रीमती किरण शर्मा ने दी।

स्वामित्व योजना अंतर्गत 9 तहसीलों के 889 ग्रामों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूर्ण

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि, मंदसौर जिले में कुल 09 तहसीलों के 889 ग्रामों में शासन ने आबादी भूमि के परिपत्र के पालन में वर्ष 2022 में ड्रोन सर्वे का कार्य पूर्ण किया गया ड्रोन सर्वे के उपरांत उक्त योजना के संबंध में उक्त ग्रामों में ग्राउंड ट्रूथिंग की गई।

स्वामित्व योजना की ग्राउंड ट्रूथिंग के उपरान्त शासन द्वारा प्रदाय मार्गदर्शिका अनुसार अधिकार अभिलेख तैयार किये गये जिसके उपरान्त प्रथम प्रकाशन उपरान्त दावा आपत्ति हेतु सूची को पंचायत में चस्पा कर हितग्राहियों को अवगत कराया गया एवं प्रथम प्रकाशन उपरान्त द्वितीय प्रकाशन कर प्रकरण जिला सर्वेक्षक अधिकारी (कलेक्टर) मन्दसौर को प्राप्त हुए है जिन्हे जांच कर किसी भी प्रकार की विसंगतिया परीलक्षित होने पर तहसीलदारों को उक्त विसंगतियों को जांच कर पुन: प्रतिवेदन चाहा गया तथा विसंगतियों को दुरुस्थ कर पुन: सर्वेक्षण सूची प्रकरणों में संलग्न कर अधिकार अभिलेख शासन द्वारा प्रदाय मार्गदर्शिका के अनुसार तैयार किये गये है। विसंगतियों की जांच के दौरान संबंधित सहायक सर्वेक्षक अधिकारियों (तहसीलदारों) के प्रस्ताव पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा सम्पूर्ण जिले में कुल 09 पटवारियों को निलंबित किया जाकर जांच की जा रही है। यह की जिला स्तर पर होने वाली जनसुनवाई के माध्यम से समाचार पत्र मे दिखाये गये तथ्य मिथ्या होकर लगभग 10 से 12 जनसुनवाई अथवा शिकायते प्राप्त हुई है जिन्हे गंभीरता पूर्वक लेकर निराकरण हेतु संबंधित तहसीलदार अथवा अनुविभागीय अधिकारी को आगामी कार्यवाही हेतु पत्र लिखा गया है। जिले में कुल ग्राम 889 मे भू-खंड 277581 जिसका क्षेत्रफल लगभग 21628857 वर्गमीटर होकर जिसकी कलेक्टर गाईड लाईन अनुसार मूल्यांकन लगभग कुल 27514102178 रुपये होकर 27 दिसम्बर को मन्दसौर कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में जिला स्तरीय क्रार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति एवं विकासखण्ड स्तर पर ग्राम पंचायतो मे भी अधिकार अभिलेखों के वितरण का कार्य भी किया गया है।

राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा की एक अहम बैठक तीन छत्री बालाजी मंदिर पर महंत रामकिशोर दासजी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। जिसमे विभिन्न मुद्दों के साथ मंदसौर नगर एक नंदी चौराहा बनाने हेतु जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका से नवग्रह मंदिर के पास मेनपुरिया चौराहा पर नंदी भगवान की प्रतिमा लगाने की मांग की जाएगी या उचित स्थान की मांग की जायेगी। इस अवसर पर घनश्याम सोनी प्रदेश प्रभारी, जीवन गोसर जिला अध्यक्ष, संजय पंवार प्रदेश अध्यक्ष, शांतिलाल पालीवाल, गोविन्द प्रसाद गोयल, गोवर्धन ग्वाला, भगवतीप्रसाद, दिलीप अग्रवाल, मदन सोनी, वरदीचन्द कुमावत, प्रदीप सोनी, ईश्वर चंदेल, ब्रजेश मारोठिया आदि उपस्थित थे।

शिवमय होने की संकल्प रात्रि महाशिवरात्रि

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शिव यानी कल्याणकारी, शिव अर्थात बाबा भोलेनाथ, शिव अर्थात शिव शंकर, शिव शंभू, शिवजी, नीलकंठ रुद्र आदि। सनातन धर्म में भगवान शिव शंकर सबसे लोकप्रिय देवता हे। वे देवो के देव महादेव हे तो असूरो के राजा भी उनके उपासक रहे हे। आज भी विश्वभर में सनातन धर्म को मानने वालो के लिए भगवान शिवजी परम पूजनीय हे। इनकी लोकप्रियता का कारण हे इनकी सरलता इसी लिए इनको भोले बाबा कहा जाता हे। इनकी पूजा आराधना की विधि भी बहुत सरल मानी जाती हे। माना जाता हे कि शिवजी को यदि सच्चे मन से याद कर लिया जाए तो शिवजी प्रसन्न हो जाते हे। उनकी पूजा में भी अधिक ताम झाम की आवश्यकता नही हे। वे केवल जलाभिषेक, बिल्वपत्रो को चढाने और भक्ति करने मात्र से प्रसन्न हो जाते हे। ऐसा माना जाता हे की महाशिवरात्रि में किसी भी प्रहर अगर भोले बाबा की आराधना की जाए तो माता पार्वती और भोलेनाथ दिल खोलकर भक्तो की मनोकामनाएं पूर्ण करते हे। महाशिवरात्रि सनातन धर्म का एक प्रमुख उत्सव हे। यह भगवान शिवजी के पूजन का सबसे बडा उत्सव व अवसर भी हे। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि उत्सव मनाया जाता हे। माना जाता हे की सृष्टिके प्रारंभ में इसी दिन मध्यरात्रि को भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। प्रलय की बेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्माण्ड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से समाप्त कर देते हे इसलिए इसे महाशिवरात्रि अथवा कालरात्रि भी कहा गया हे। शिवजी प्रेतो और पिशाचो से घिरे रहते हे उनका रूप बडा अजीब हे। शरीर पर मसानो की भस्म, गले में सर्पों वर्क हार, कंठ में विष, जटाओं में जगत तारिणी पावन गंगा तथा मस्तक पर प्रलयंकार ज्वाला उनकी विशेष पहचान हे। बेल को वाहन के रूप में स्वीकार करने वाले शिवजी अमंगल रूप होने पर भी भक्तो का मंगल करते हे और संपत्ति व वैभव प्रदान करते हे। महाशिवरात्रि का दिन जीव मात्र के लिए महान उपलब्धि प्राप्त करने का दिन भी हे। शिवजी की महत्ता को शिवसागर में और विस्तृत रूप में देखा जा सकता हे। शिवसागर में बताया गया हे कि विविध शक्तियां विष्णु व ब्रह्मा जिसके कारण देवी और देवता के रूप में विराजमान हे। जिसके कारण संपूर्ण जगत का अस्तित्व हे जो यंत्र हे, मंत्र हे ऐसे तंत्र के रूप में विराजमान भगवान शिवजी को बारंबार प्रणाम हे। पौराणिक कथा के अनुसार एक बार पार्वती माता ने भगवान शिवशंकर से पूछा कि ऐसा कौन सा श्रेष्ठ तथा सरल व्रत पूजन हे जिससे मृत्यु लोक के प्राणी आपकी कृपा सहज ही प्राप्त कर लेते हे ? उत्तर में भगवान ने पार्वती माता को महाशिवरात्रि के व्रत का उपाय बताया। चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिवजी अत: ज्योतिष शास्त्रो में इसे परम शुभ फलदायी कहा गया हे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्यदेव भी इस समय तक उत्तरायण में आ चुके होते हे तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यंत शुभ कहा गया हे। भगवान शिवजी की कृपा व आशीर्वाद सभी देशवासियों पर बना रहे इसी मंगलकामना के साथ सभी को महाशिवरात्रि की आत्मीय शुभकामनाए

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

थारो म्हारो प्रेम के आडिशन अब भोपाल और रतलाम में

मुंबई से आए आर्टिस्ट सुभाष चंद्र त्रिपाठी का किया बहुमान

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से फिल्म निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौर ने भोपाल में आयोजित इन्वेस्टर मीट में चर्चा कर जानकारी दी और फ़िल्म के बारे में बताया कि

राठौर फिल्मस एंड एंटरटेनमेंट द्वारा मालवी बोली को बढावा देने के लिए और पर्यटन के क्षेत्र में और यहां के मंदिरों को मध्य प्रदेश में मालवा की संस्कृति के साथ बॉलीवुड के कलाकारों के साथ में स्थानीय कलाकारों को भी सुनहरा अवसर प्रदान कर यहां के गीतकारों को और सोशल इनफ्लुएंसर जो मालवी बोली में कार्य कर रहे हैं उन सभी को एक बड़ा प्लेटफार्म दिया जा सके इस भावना के साथ इस फ़िल्म का निर्माण किया जा रहा है। हाल ही में फिल्म का प्रोमो शूट हुआ है जिसमें ग्राम साबाखेडा सहित पशुपतिनाथ मंदिर, देव डूंगरी माता मंदिर में प्रशासन जन प्रतिनिधि पत्रकार साथियों का आम जन मानस का सभी का भरपूर सहयोग मिला है। उज्जैन में आयोजित द्वितीय मेगा ऑडिशन में मुंबई से पधारे वरिष्ठ अभिनेता सुभाष चंद्र जी त्रिपाठी का स्वागत किया गया जिसमें थारो म्हारो प्रेम के निर्माता राजेंद्र राठौर, इंजीनियर दिलीप कुमार जोशी ,वरिष्ठ कलाकार दिलीप त्रिपाठी ,सांसद प्रतिनिधि बंसीलाल राठौर ,पत्रकार साथी रुपेश सोलंकी ,वरिष्ठ अभिनेता संतोष परसाई ,अभिनेत्री आयशा प्रजापत आदि उपस्थित रहे। मंदसौर में 324 और उज्जैन ऑडिशन में 288 प्रतिभागी के बाद अब 28 फरवरी को भोपाल में मेगा ऑडिशन रखा गया है जिसका श्रीगणेश भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल और उसके बाद 2 मार्च को रतलाम में ऑडिशन रखा जाएगा जिसका शुभारंभ उद्योग मंत्री श्री चैतन्य कश्यप द्वारा किया जाएगा। फिल्म निर्माता राठौर ने मंत्री श्री काश्यप से मुलाकात कर फिल्म के विषय में संपूर्ण जानकारी प्रदान की। आपने इस पहल को सराहा और आश्वस्त किया कि प्रोडक्शन टीम को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। सभी कलाकारों को और अभिनय के क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए यह अच्छी सूचना है देर किस बात की। थारो म्हारो प्रेम के इंस्टाग्राम पेज से जुडे बने रहे, आगामी सारी जानकारी आपको इसी के माध्यम से मिलती रहेगी और प्रोडक्शन टीम से पंकज पंवार और कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, सूत्रधार ने अपील भी की है कि के सुनहरा अवसर पुन: मिलाने जा रहा है अत: मालवा अंचल के सभी कलाकार जो अभिनय के क्षेत्र में अपने हुनर का जादू दिखाना चाहते हैं वह भोपाल और रतलाम पधारें और ऑडिशन अच्छे से तैयारी कर दें साथ ही इस फ़िल्म से जुडें।

गुर्जर एवं श्रीमती गुर्जर के आतिथ्य में मनेगा आर्य समाज में आज बोध पर्व

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर द्वारा आज 26 फरवरी, बुधवार को महर्षि दयानन्दजी सरस्वती का बोध पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर उपस्थित रहेंगे। आर्य वीर दल मध्यप्रदेश के अधिकारी श्री प्रवीण आर्य मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। आर्य समाज प्रधान श्री मधुसूदन आर्य ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व को ऋषि बोध पर्व के रूप में मनाया जाएगा। महर्षि दयानन्दजी सरस्वती को इस दिन बोध प्राप्त हुआ था इस कारण आर्य समाज प्रतिवर्ष इस दिन को बोध पर्व के रूप में मनाता है। इसी के तहत आज प्रात: 9 बजे हवन होगा, उसके पश्चात् आर्य विद्वानों द्वारा महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही श्री सत्येन्द्र आर्य पिपलिया, श्री कुंजीलाल पाटीदार नैनोरा ने अपने घर पर मांगलिक कार्य में वेद पारायण यज्ञ करने पर उनका अभिनन्दन भी इस दौरान किया जाएगा। उसके पश्चात् फलिहारी प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

श्री भूरिया महादेव मंदिर में आज भव्य रूप से बनेगा महाशिवरात्रि पर्व

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मेघदूत नगर बालाजी समिति द्वारा मेघदूत नगर के राजाधिराज श्री भूरिया महादेव मंदिर

में आठवीं बार महाशिवरात्रि पर्व पर भव्य आयोजन होंगे। आज 26 फरवरी, बुधवार को प्रात:काल से ही विशेष अभिषेक, पूजन अर्चन कर ढोल ढमाकों के साथ महाआरती की जाएगी। समिति द्वारा विशेष श्रृंगार व अभिषेक सायं 4 बजे से किया जाएगा। सायं 7.30 बजे महादेव को 301 किलो फलिहारी खिचडी का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया। उक्त जानकारी देते हुए श्री भूरिया महादेव के भक्त नेमीचन्द खिमेसरा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाएगा। भक्तों के सुविधा हेतु समिति द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। समिति के सभी सदस्यों ने नगर के सभी शिव भक्तों से उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

श्री जागेश्वर महादेव में देवों के देव महादेव की शादी में आज गूंजेगी संगीत की मधुर स्वरलहरियां

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के नीम चौक स्थित अति प्राचीन और चमत्कारी शिवालय श्री जागेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ

के विवाहोत्सव महाशिवरात्रि पर्व रात्रि 10 बजे से संगीत के आदिजनक डमरूधारी भगवान शंकर का संगीत की मधुर धुनों से अभिषेक होगा। मंदिर से सम्बन्ध शिव भक्त कैलाश सोलंकी ने बताया कि प्रात: 5 बजे से भगवान जागेश्वर का महाभिषेक प्रारंभ हो जायेगा जो संध्या पर्यन्त जारी रहेगा। संध्या को भगवान जागेश्वर का आकर्षक श्रृंगार किया जायेगा। तत्पश्चात रात्रि 10 बजे संगीत-भजन संध्या प्रारंभ होगी जिसमें संगीत साधकों द्वारा शास्त्रीय और सुगम संगीत गायन वादन प्रस्तुत किया जायेगा। प्रथम महाआरती संध्या 7.30 बजे, दूसरी महाआरती मध्यरात्रि 12 बजे, तीसरी महाआरती ब्रह्म मुहूर्त में 3 बजे और चौथी महाआरती प्रात: 6 बजे होगी। प्रात: 5 बजे से आने वाले शिव भक्तों की सेवा में भांग-मिठाई प्रसाद वितरण प्रारंभ हो जायेगा जो दिन भर जारी रहेगा। मंदिर समिति ने अधिक से अधिक संख्या में भगवान भोलेनाथ के विवाहोत्सव पर्व में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

श्री वटेश्वर महादेव मंदिर में आज महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री वटेश्वर महादेव मंदिर राम टेकरी कॉर्नर पर महाशिवरात्रि पर्व आज भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस दिन मंदिर पर प्रात:काल से ही भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया जाएगा। मंदिर को भव्य विद्युत सज्जा व फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। मंदिर समिति द्वारा भक्तों के दर्शनार्थ विशेष व्यवस्था की गई है। प्रात: 10.30 बजे विशेष आरती एवं शाम को 7 बजे भव्य महा आरती का आयोजन होगा। श्री वटेश्वर महादेव मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुजनों से मंदिर में दर्शन, पूजन अर्चन एवं महाआरती में भाग लेने की अपील की है।

जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में गांधी सागर-2 समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो के प्रगति की समीक्षा सम्पन्न

नीमच, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता एवं जावद क्षेत्र के विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिह चौहान की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में गांधी सागर-2 समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र सिह राणावत एवं लो.स्वा.या.वि.के कार्यपालन यंत्री श्री एस.सी.जलोनिया, डीबीएल के प्रबंधक श्री सुनील सिह तोमर व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीणों को ग्रीष्म काल में पेयजल आपूर्ति में कोई समस्या ना हो– बैठक में जावद क्षेत्र के विधायक श्री सखलेचा ने जल निगम के महाप्रबंधक व अधिकारियों को सुझाव देते हुए कहा, कि आगामी ग्रीष्मंकाल में किसी भी गांव में पेयजल आपूर्ति में ग्रामीणों को कोई समस्या ना हो। जल जीवन मिशन के कार्य के तहत नई पाईप लाईन बिछाने

और पुराने पाईप लाईनों को डिस्केक्नेक्ट करने की वजह से पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी गांव में कोई समस्या ना आए।यह निर्माण ऐजेंसी सुनिश्चित करें। उन्होने जल निगम द्वारा गांधी सागर समूह-2 जल प्रदाय योजना के कार्यो के लिए सडकों की खुदाई और रेस्टोरेशन के कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता में सुधार का सुझाव दिया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जेसिह चौहान ने सरपंच, सचिवों के माध्यम से रोड रेस्टो रेशन का कार्य करवाने का भी सुझाव दिया।

टीमें बढ़ाकर रोड रेस्ट्रोरेशन का गुणवत्तापूर्ण कार्य तेजी से पूर्ण करें– कलेक्टर श्री चंद्रा ने बैठक में जल निगम के महाप्रबंधक को रोड रेस्ट्रोरेशन का गुणवत्तापूर्ण कार्य, तेजी से पूरा करवाने और वर्तमान में लगी 32 टीमों को बढाकर 60 टीमे रेस्ट्रोरेशन कार्य में लगाने के निर्देश दिए और संपूर्ण जिले में शेष रेस्ट्रोरेशन का कार्य 30 मार्च के पूर्व पूरा करवाने के भी सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने सरपंचों से चर्चा कर, रोड रेस्ट्रोरेशन कार्य में उनका भी सहयोग लेने के निर्देश डीबीएल को दिए।

कोई भी आंगनवाडी एवं स्कूल भवन नल कनेक्शन से नहीं छूटे– कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए कि हर घर नल से जल प्रदाय योजना के तहत हर एक आंगनवाडी केंद्र एवं स्कूल में नल कनेक्शन देकर शुद्ध जल प्रदाय किया जाना है। कोई भी स्कूल आंगनवाडी केंद्र नल कनेक्शन से छूटे नहीं। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देश दिए, कि वे यह जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत करे, कि कोई आंगनवाडी स्कूल नल कनेक्शन से छूटा तो नहीं है। बैठक में कलेक्टर ने सरपंच, सचिवों की बैठक कर उनसे रोड रेस्ट्रोरेशन कार्य, पेयजल प्रदाय, नल पाईप लाईन से छूटे हए गांव, मजरे, टोले, आंगनवाडी स्कूलों में नल कनेक्शन एवं ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल समस्या से संबंधित जानकारी संकलित करने के जनपद सीईओ को निर्देश दिए।

जिले में एक लाख 53 हजार से अधिक घरेलु नल कनेक्शन दिए– बैठक में गांधी सागर समूह जलप्रदाय योजना के कार्यो की प्रगति की समीक्षा में बताया गया, कि इस योजना के तहत अब तक एक लाख 53 हजार 950 घरेलु नल कनेक्शंन दिए गए है। 4081 कि.मी. लंबी जल वितरण पाईप लाईन बिछाई जा चूकी हैं। 678 कि.मी. जल वितरण पाईप लाईन बिछाने का कार्य तेजी से जारी है। जिले में अब तक 536.84 कि.मी. रोड रेस्ट्रोरेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और शेष 319 कि.मी. रेस्ट्रोरेशन कार्य में 32 टीमें प्रतिदिन कार्यरत है। इस योजना का 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो गया हैं। शेष रेस्ट्रोरेशन का कार्य टीमे बढाकर पूर्ण कर किया जाएगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	53	2200	2429
उडद	13	4601	6750
सोयाबीन	4646	3800	4101
गैहु	2935	2560	3160
चना	100	4900	5531
मसुर	5407	5300	5800
धनिया	1090	4860	7291
लहसुन	19500	3000	6100
मैथी	412	4000	5611
मुंगफली	957	4400	5350
अलसी	1197	5891	6135
सरसो	1910	5300	5757
तारामीरा	5	4140	4140
इसबगोल	33	8250	13091
प्याज	1109	1200	2500
कलोंजी	4	16399	16399
तुलसी बीज	1	6852	6852
डॉलर	15	3400	7200
तिल्ली	5	7800	8650
जौ	149	2260	2300
मटरसुखी	10	2100	4700
असालीया	348	5702	7190
चियाबीज	51	9400	12000

डोडाचुरा पकड़ने गई टीम पर तानी पिस्टल, दो आरोपी गिरफ्तार

दो क्विंटल डोडाचुरा के साथ देशी पिस्टल व फारचूनर गाड़ी जप्त

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। डोडाचुरा पकडने गई पुलिस टीम पर पिस्टल तानने वाले दो लोगो को पुलिस की स्पेशल टीम और दलौदा थाना पुलिस ने दबोचा हैं। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, फारचूनर गाडी और 02 क्विंटल डोडाचुरा जप्त किया हैं।

दलौदा थाना प्रभारी बलदेव सिंह चौधरी व उनकी टीम द्वारा दो तस्करो से 200 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा व एक देशी पिस्टल मय 04 जिन्दा राउण्ड, फार्चुनर कार व दो अलग- अलग राज्य की नम्बर प्लेट को जप्त किया। पुलिस ने बताया कि चौकी कचनारा थाना दलौदा पर पदस्थ उनि आरसी पंवार को मुखबीर से सूचना मिली। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंदसौर तरफ से आ रही फार्चुनर कार क्रमांक एमपी 09 जेड एल 3007 को पुलिस ने रुकवाया और कार में सवार भागीरथ पिता कालुराम विश्नोई उम्र 33 साल निवासी ग्राम जाम्भोजी का मन्दिर थाना धौरीमाना जिला बाडमेर तथा सुरेश पिता बाबुलाल विश्नोई उम्र 25 साल जाति बिश्नोई निवासी ग्राम सेडीया थाना करडा तहसील सांचोर जिला जालोर राजस्थान को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल मय 04 जिन्दा राउण्ड बरामद हुई। आरोपियों के कब्जे से जप्त की गई फार्चुनर गाडी में सीट फोल्ड करके 10 काले रंग के कट्टे मे कुल 200 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा रखा मिला, जिसे जप्त कर लिया। तलाशी में ड्रायवर सीट के नीचे से दो नम्बर प्लेट भी बरामद की गई। जिनमे क्रमांक जीजे 01 डब्ल्यूपी 6201 व दुसरी नंबर प्लेट पर एचआर 33 जी 0003 लिखा था। उक्त दोनो नम्बर प्लेट पुलिस से बचने व पहचान छिपाने के लिये समय -समय पर बदली जाती थी। पुलिस ने बताया कि कार पर वास्तविक नंबर की जानकारी नहीं थी। पुलिस पूरे मामलें की जांच कर रही है।

बड़ा अस्पताल के चिकित्सकों को ग्रेड पे से वंचित करने का मामला, कार्यों की अनदेखी का आरोप

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय के 18 विशेषज्ञ चिकित्सकों और मेडिकल ऑफिसर्स ने अपनी गोपनीय चरित्रावली (सी.आर.) समय पर न भेजे जाने के कारण ग्रेड पे से वंचित होने की शिकायत कलेक्टर को भी की है। इन चिकित्सकों का आरोप है कि सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, डॉ. डी.के. शर्मा ने उनकी वर्ष 2021-2022 एवं 2023-2024 की गोपनीय चरित्रावली उच्च कार्यालय को समय पर नहीं भेजी, जिससे उनके अंक नहीं जुड पाए और उनका नाम ग्रेड पे सूची में शामिल नहीं हो सका।

नेमीचंद राठौर

चिकित्सकों का कहना है कि वरिष्ठ कार्यालय के पत्र क्रमांक 1जी-सेल-6/2025/110, भोपाल, दिनांक 30.01.2025 में उनके नाम शामिल नहीं थे, जिससे यह स्पष्टहुआ कि उन्हें उच्च ग्रेड पे का लाभ नहीं मिला। जब उन्होंने इस विषय में जानकारी प्राप्त की, तो पता चला कि उनकी गोपनीय चरित्रावली भेजने के बजाय ऑटो फॉरवर्ड हो गई, जिससे वे आवश्यक मूल्यांकन प्रक्रिया से वंचित रह गए।

उत्कृष्ट कार्यों के बावजूद अनदेखी– मंदसौर जिला चिकित्सालय के इन चिकित्सकों ने बीते वर्षों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण कायाकल्प पुरस्कार (2021, 2022, 2023, 2024), लक्ष्य कार्यक्रम पुरस्कार (2022), एन.क्यू.ए.एस पुरस्कार (2023), तथा टीबी एनटीईपी में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। हाल ही में मंदसौर जिला चिकित्सालय ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो इन चिकित्सकों के परिश्रम और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके बावजूद, चिकित्सकों की गोपनीय चरित्रावली नहीं लिखी गई, जिससे वे आर्थिक और मानसिक रूप से प्रताडित महसूस कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सिविल सर्जन डॉ. डी.के. शर्मा द्वारा अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन नहीं किया गया, जिसके कारण उनकी मेहनत को अनदेखा किया गया और वे महत्वपूर्ण पदोन्नति व वेतन वृद्धि से वंचित रह गए।

प्रमुख सचिव से कार्रवाई की मांग– चिकित्सकों ने इस पूरे मामले को लेकर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, भोपाल के प्रमुख सचिव से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि सिविल सर्जन की लापरवाही के कारण न केवल उनका आर्थिक नुकसान हुआ है, बल्कि यह उनके मनोबल को भी प्रभावित कर रहा है। चिकित्सकों की मांग है कि उनकी गोपनीय चरित्रावली को सही ढंग से मूल्यांकित किया जाए और उन्हें उनके योग्य ग्रेड पे प्रदान किया जाए।

चिकित्सकों का कहना– सिविल सर्जन ने अपनी खुद की गोपनीय चरित्रवाली कलेक्टर अदिति गर्ग से लिखवा कर अंक प्राप्त कर लिए हैं, और हमारे बार बार निवेदन करने पर भी डॉक्टरों की गोपनीय चरित्रवाली नहीं लिखी इस से यह प्रतीत होता है कि उन्होंने जानबुझ कर नहीं लिखी। अगर इस विषय पर जल्द उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो चिकित्सक आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाने को मजबूर हो सकते हैं। यह मामला सरकारी अस्पतालों में प्रशासनिक अनदेखी का एक गंभीर उदाहरण है, जिससे समर्पित चिकित्सक प्रभावित हो रहे हैं।

रतलाम से लापता युवक-युवती के शव मिले

पेड़ पर लटकी थी युवती, जमीन पर पड़ा था युवक का शव

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के सरसोद कचनार फंटा रेलवे ट्रैक के पास मंगलवार को युवक-युवती के शव मिले हैं। दलौदा थाना क्षेत्र सुबह करीब 11 बजे युवती का शव पेड पर लटका मिला, जबकि युवक का शव जमीन पर पडा मिला था। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि, प्राथमिक जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। युवक की पहचान रतलाम जिले के ग्राम बरखेडा निवासी 19 वर्षीय धनजी पिता रामचंद्र डावर के रूप में हुई है। वहीं युवती की पहचान

केला बाई (20) पिता शंभू डाबी के रूप में हुई है। घटनास्थल से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है, इसी में आ रहे कॉल से दोनों मृतकों के परिवारों की जानकारी मिली।

पुलिस के मुताबिक, दोनों युवक-युवती पिछले दो दिनों से लापता थे और उनके परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मॉर्चुरी रूम में रखवाया है। मृतक युवक के मोबाईल में युवती के फोटो मिले है। इसलिए प्रारंभिक जांच में यह प्रेम प्रसंग का मामला माना जा रहा है। दलौदा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनो मृतका के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनो के सुपूर्द कर दिए गए। जिन्हें दोनो पक्ष अपने गांव ले गए, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सबसे सस्ती बिजली बनाने में मप्र ने बनाया रिकार्ड-मुख्यमंत्री

मप्र में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेज गति से हो रहे हैं कार्य, मुख्यमंत्री जीआईएस में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में हुए शामिल, भारतीय रेल के साथ हुआ पीपीए अनुबंध संपादित

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गत वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेज गति से वृद्धि हुई है। अब यह हमारी कुल ऊर्जा उत्पादन का 15% हो गई है। साथ ही मध्यप्रदेश ने सबसे सस्ती बिजली बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया है। प्रदेश के नीमच जिले में स्थापित सोलर परियोजना में 02 रुपए 14 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उत्पादन किया जा रहा है और यह सस्ती बिजली हमारी सरकार भारतीय रेलवे को बेच रही है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया के सामने हर क्षेत्र में सीना तान के खडा है। आज जहां विश्व में उथल-पुथल मची हुई है, बहुत से देश आपस में बात भी नहीं करते। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी का सभी से निरंतर संवाद है और वे भारत की प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। सोमवार को भोपाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट आयोजित की गई है, जिसमें दुनिया भर से मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्ताव आ रहे है। देश-विदेश के निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर भरोसा जताया है। हमारे लिए छोटा से छोटा निवेश भी बहुत बड़ा है और हर निवेशक महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति सूर्य पर केन्द्रित है। सूर्य देव की हम पूजा करते हैं और वह हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं। सूर्य के सारथी अश्विन है। वैसे ही हमारे मार्गदर्शक केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव हैं। मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के साथ ही तेज गति से रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विशेष रूप से सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहा है। रीवा में 750 मेगावाट क्षमता का अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क स्थापित किया गया है। इसी प्रकार नीमच में 500 मेगावाट का सोलर पॉवर प्लांट और भारत का सबसे बडा पम्पड हाइड्रो पॉवर स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाया गया है। यह सबसे सस्ती बिजली का उत्पादन कर रहा है। ओंकारेश्वर में भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया गया है। नर्मदापुरम जिले के मुहासा बाबई में भारत का पहला पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्रिपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन बनाया गया है। पहले इसके क्षेत्र को बढ़ाकर 884 एकड किया गया था, अब इसमें 1000 एकड क्षेत्र और बढाया जा रहा है। मध्यप्रदेश भारत के 500 गीगावॉट के नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में निवेश का अच्छा माहौल बना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2030 तक भारतीय रेल ऊर्जा के क्षेत्र में 'नेट जीरो' हो जाएगी, अर्थात शत-प्रतिशत बिजली पर चलेगी। अभी 97% रेलवे लाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन कर लिया गया है। आज मध्यप्रदेश के साथ 170 मेगावाट का पावर परचेज एग्रीमेंट किया गया है, जो अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश जितनी भी अतिरिक्त बिजली उत्पादित करेगा हम खरीदेंगे। श्री वैष्णव ने कहा कि मध्य प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का ऐतिहासिक कार्य चल रहा है। इस क्षेत्र में 01 लाख 4 हजार करोड रुपए का निवेश किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2014 के बाद 2456 किलोमीटर का रेलवे नेटवर्क तैयार किया गया है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। आज हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री स्वयं ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निरंतर प्रदेश में निवेश बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। चरैवेति, चरैवेति के आदर्श वाक्य को लेकर वे निरंतर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 10 वर्ष पहले मात्र 500 मेगावाट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादित होती थी जो अब 7000 मेगावाट हो गई है। प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर जल, जमीन, वायु और सूर्य का प्रकाश है, वे यहां इन्वेस्ट करें। शिखर सम्मेलन में सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन के श्री आर.पी. गुप्ता, साउथ एशिया रीजनल डायरेक्टर श्री इमाद फारुकी, अवाडा ग्रुप के श्री विनीत मित्तल, एलएलपी समूह के श्री सुनील जैन, उद्योगपति श्री पराग शर्मा, श्री पिनाकी भट्टाचार्य, श्री पवन अग्रवाल, श्री नवीन खंडेलवाल, श्री राजीव जैन, श्री जिग्नेश मेहता, श्री गुरदीप सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अपर प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री मनु श्रीवास्तव ने शिखर सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की और स्वागत भाषण दिया। एमडी श्री अमनवीर सिंह बैंस ने आभार व्यक्त किया।

पीपीए अनुबंध हुआ संपादित, निवेशकों ने किये निवेश अनुबंध– मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में शिखर सम्मेलन में दो पावर परचेज एग्रीमेंट अनुबंध पहला भारतीय रेल, नीमच सोलर प्रोजेक्ट, रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड और वारी के बीच तथा दूसरा एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, वारी और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड के बीच संपादित हुए। इसके साथ ही नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न निवेशकों के साथ निवेश अनुबंध भी सम्पादित हुए।

जीआईएस–25 के पहले दिन 22 लाख 50 हजार 657 करोड के मिले निवेश प्रस्ताव और हुए एमओयू– प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में सोमवार को भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शुरू हुई दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के काफी सुखद परिणाम आये हैं। समिट के पहले दिन बड़ी संख्या में निवेश के प्रस्ताव मिले। इसमें 22 लाख 50 हजार 657 करोड के इंटेशन-टू-इन्वेस्ट, एमओयू और निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये। इससे 13 लाख 43 हजार 468 रोजगार सृजन होगा।

कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान 77 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने 77 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। बसंतीलाल पिता वरदा कुमावत निवासी खजूरी चन्द्रावत तहसील सीतामऊद्वारा आवेदन दिया कि, मेरा लगभग डेढ वर्ष पूर्व हृदय का ऑपरेशन हुआ है ऑपरेशन उपरान्त 1600 रूपये मासिक की दवाई नियमित लेना आवश्यक है ऑपरेशन तो शासकीय खर्च से इन्दौर स्थित विजय नगर के

भण्डारी हॉस्पीटल में हो गया किन्तु अब दवाई खर्च की व्यवस्था न होने के कारण मुझे नियमित दवाई नहीं मिल पा रही है। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दवाई उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा जनसुनवाई के दौरान ही आवेदक को दवाई उपलब्ध करवाई गई। आवेदक राजी बाई निवासी रठाना तह. मंदसौर जनपद पंचायत मंदसौर द्वारा प्रार्थीया के नाम से जो पट्टा आंवटित था उसको अन्य व्यक्ति के नाम पर आंवटित कर दिया गया समस्या का समाधान करने बाबत आवेदन किया गया। जिस पर मंदसौर एसडीम को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। आवेदक समरथ पाटीदार द्वारा आवेदन किया गया कि मेरी पैत्रक भूमि जो कि माता के नाम से है उक्त भूमि का कब्जा कन्हैयालाल पुत्र दशरथ पाटीदार निवासी झलारा तह. सीतामऊ जिला मंदसौर के कब्जे में है उक्त भूमि दिलाने बाबत। जिस पर सीतामऊ एसडीएम को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। आवेदक भंवरलाल पिता पन्नालाल बावरी प्रार्थी गाँव सुंठी का काश्तकार होते हुवे उसे प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना की राशी प्राप्त नही होने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर भू अभिलेख विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुड्वाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये।

कांग्रेस नेताओं ने डॉ. तोमर की माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी

नटराजन, पूर्व विधायक श्री दिलीपसिंह गुर्जर, श्री नवकृष्ण पाटिल ने मंगलवार शाम को शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के भागवत नगर निवास पर पहुंचकर पिछले आठ माह से उपचाररत उनकी माता जी शांतिदेवी तोमर के स्वास्थ्य की जानकारी ली। कांग्रेस नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना भी की। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस नेतागण मंजीतसिंह मनी, अजय लोढा, सुनील बसेर, सुभाष जैन, सुरेश मालवीय, राधे जायसवाल आदि भी साथ थे।

पौत्र ने दादा को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पौत्र ने दादा को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। पिपलिया कराडिया निवासी मांगीलाल पिता खेमा बागरी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पौत्र अनिल बागरी ने कृषि जमीन उसके नाम पर कराने की बोला, मैंने मना किया तो गालीगलौज कर लात-घुसों से पीटा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने पौत्र पर केस दर्ज किया।

मनुष्य ससीम है और ईश्वर असीम है-डा. दुबे

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। इतिहास विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने कहा कि मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है। मनुष्य और जानवर के बीच यही अंतर है कि मनुष्य में कर्तव्य और अकर्तव्य के बीच अंतर को समझने की क्षमता है। वही उसे विवेकशील प्राणी बनाती है। आपने मानववाद व मानवतावाद के अंतर को भी विस्तृत रूप से समझाया और भारतीय संस्कृति में मानवतावाद को रेखांकित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. उषा अग्रवाल कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति में मानवतावाद और नैतिकतावाद सर्वोपरि है। भारतीय संस्कृति की सबसे बडी विशेषता समन्वयवाद है इसीलिए विभिन्न संस्कृतियां भारत में आई और चली गई किन्तु भारतीय संस्कृति अपनी अनेकता में एकता के मूल भाव को लिए हुए आज भी जीवित है। सभ्यता बाहरी आवरण है और संस्कृति आंतरिक भाव को अभिव्यक्त करती है। कार्यक्रम का का संचालन डॉ. शिवकुमार पांडे ने किया। आभार डॉ. राजेश सकवार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के अतिथि विद्वान कु. शबनम खान एवं राहुल पालीवाल भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में लगभग 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया और रूचिपूर्वक व्याख्यान को सुना।

युवक को पीटा, दो भाईयों पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। युवक से मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। मिण्डलाखेडा निवासी पवन पिता उंकारलालजी पाटीदार ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि गांव का दुर्गाशंकर पिता रंगलाल पाटीदार ने मुझसे रास्ते में मिला और बोला कि मेरे भाई पवन को मोबाइल पर कॉल कर। मैंने कॉल करने से इंकार कर दिया तो दुर्गाशंकर व पवन पिता रंगलाल पाटीदार, दोनों मंदिर के पास मिले और मेरे साथ गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे और मारपीट की। पुलिस ने दोनों भाईयों पर केस दर्ज किया।

आधार कार्ड में अपडेशन के नाम पर पब्लिक को किया जा रहा हैं परेशान...

आधार सेंटर के चक्कर काटने को मजबूर हैं लोग

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आधार कार्ड अब हर जगह उपयोगी हों गया हैं। ऐसे में शुरुआत में ज़ब बच्चों या बडो का आधार कार्ड बना होगा, तब उसमे कुछ न कुछ त्रुटि रह गई होंगी। लेकिन इसकी जानकारी आदमी तब पडती हैं ज़ब उसको आधार कार्ड से जुडा कुछ कार्य होता हैं। तब मालूम पडता हैं क़ी कभी जन्म तारीख पूरी अंकित नहीं हैं, मोबाइल नंबर अपडेट नहीं हैं, सरनेम अपडेट नहीं, पता गलत लिखा हैं, ऐसी कई प्रकार क़ी समस्या से आम नागरिक परेशान हों रहा हैं। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष नवनीत शर्मा क़ो विभिन्न लोगों के माध्यम से शिकायत मील रही थी क़ी आधार कार्ड में अपडेशन के नाम पर काफ़ी लोग परेशान हों रहे हैं। इसको लेकर आज अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने जनसुनवाई में पहुंचकर नायब तहसीलदार नीलेश पटेल से मुलाक़ात क़ी और उन्हें बताया क़ी

मंदसौर क्षेत्र की जनता आधार कार्ड में संशोधन के लिये आधार सेंटर के लगातार चक्कर काट रही है जिससे वह मानसिक रूप से भी परेशान हो रही है और हर बार लिए जाने वाले शुल्क से भी दुखी है। बार बार चक्कर काटने एवं शुल्क जमा करने के बाद भी संशोधन के नाम पर रिजेक्शन ही हाथ लग रहा हैं एवं आधार सेंटर के ऑपरेटर से रिजेक्शन का कारण पूछने पर आधार कार्ड सेंटर पर काम करने वाले कर्मचारी के द्वारा यह कहा जाता है की आप 1947 आधार सहयोग सेंटर पर बात करे, यह बोल कर पल्ला झाड लिया जाता है। ओर जब सब दूर से थक हार कर कॉल सेंटर 1947 पर कॉल किया जाता है तो वहा से भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता है एवं कॉल को या तो डिसकनेक्ट कर दिया जाता है या फिर होल्ड पर कर दिया जाता है। इस समस्या पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने आज कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार क़ो ज्ञापन सौपा और मांग क़ी शहर में कुछ और आधार कार्ड अपडेट करने के सेंटर खोले जाये। जिससे पब्लिक क़ो आरही समस्या का समाधान हों सके। ज्ञापन देते समय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष नवनीत शर्मा, विधि आयाम प्रमुख उमराव सिंह जैन, जिला उपाध्यक्ष रंजीत जायसवाल, जिलाध्यक्ष संपर्क प्रमुख वीरेंद्र चौहान, भूपेंद्र बैरागी, नगर अध्यक्ष सुनील ठाकुर एवं महिला इकाई से सविता रावल सहित अन्य उपस्थित थे।

नगरी में डिजिटल वित्तीय साक्षरता एवं सायबर फ्राड के सम्बन्ध में जागरूकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। 24 फरवरी को ग्राम नगरी में नगर परिषद् प्रांगण में अरूणोदय सर्वेश्वरी लोक कल्याण समिति द्वारा आईशर फंक्शन के वित्तीय सहयोग से डिजिटल साक्षरता एवं डिजिटल साईबर फाड विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगरी के चौकी प्रभारी श्री पंवार द्वारा उपस्थित जनो को सायबर फाड, सोशल मिडिया प्लेटफार्म, ऑनलाईन पेमेन्ट, फर्जी वेबसाईट के बारे में उदाहरण सहित एवं सत्य रोचक जानकारी से अवगत कराकर सावधान रहने हेतु जानकारी दी।

कार्यशाला में सहकारी बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक एवं नाबार्ड के वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री आई. एच. मन्सूरी के द्वारा कार्यशाला में वित्तीय साक्षरता का महत्व, बचत का महत्व एवं डिजिटल वित्तीय साक्षरता के प्रकार एवं उसके उपयोग के सम्बन्ध में उदाहरण सहित जानकारी दी। कार्यक्रम में अरूणोदय संस्था के श्री प्रवीण शर्मा, शेलेन्द्र भाटी, शुभम गोयल ने भी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि

मोबाईल पर किसी के परेशान करने पर तुरन्त 1930 पर कॉल कर मदद मांगे। कार्यक्रम में नगरपरिषद् के अध्यक्ष श्री घनश्याम बग्गड ने कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती के चित्र पर दीपक एवं माल्यार्पण कार्यक्रम की शुरूआत की एवं उपस्थित जनो को कार्यशाला से लाभान्वित होकर स्वयं एवं दूसरो के जागरूक रहने का निवेदन किया। कार्यक्रम में नगर परिषद् सभापति श्री राजेश जैन, सीएमओ नगर परिषद् श्री डी. सी. जैन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी महोदय ने भी सम्बोधित किया। बडी संख्या में नागरिक एवं महिलाये व स्कूलो के बच्चे उपस्थित रहे।

बाइक सवार का पीछा कर पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बाइक का पीछा कर युवक के साथ मारपीट की। शक्करखेडी जागीर निवासी राकेश पिता कन्नीराम डांगी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई मैं बाइक से मौसाजी को विशनिया छोड़कर गांव जा रहा था, इसी दौरान गांव का करणसिंह पिता बगदीराम डांगी मेरा पीछा करते हुए आया और मेरी बाइक के आगे बाइक खडी कर रास्ता रोका और बोला कि तू बहुत तेज चला रहा था। गाली-गलौज करने लगा और मारपीट की। जिससे मूह, पीछ पर चोंट आई। पुलिस ने करणसिंह पर केस दर्ज किया।

सेल्समेन की आवश्यकता

* अनुभवी पुरुष/महिला सेल्समेन की आवश्यकता है। * अनुभवी मोबाईल रिपेरिंग वाले की आवश्यकता है।
* वेतन 5 अंको में * योग्यता को प्राथमिकता
******* संपर्क *******

प्रदीप मोबाईल

दया मंदिर रोड़ मंदसौर
मोबाईल- 9893100778, 8319811988

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in